अंक–18 अप्रैल, 2017

नागरिका

मासिक ई–पत्रिका

नगर निगम, गोरखपुर

http://nagarnigamgkp.org

स्वच्छ गोरखपुर स्वस्थ गोरखपुर सुन्दर गोरखपुर

नागरिका

मासिक ई–पत्रिका

प्रधान सम्पादक

बद्री नाथ सिंह

नगर आयुक्त

सम्पादक

बृजेश सिंह

वित्त एवं लेखाधिकारी

सम्पादकीय सलाहकार

राजीव कुशवाहा

सहायक लेखाधिकारी

गौतम गुप्ता

स्वच्छता प्रबन्धक

संकलन

सत्यम सिंह

कम्प्यूटर आपरेटर

पृष्ठ सज्जा

मनोज कु0 जायसवाल

कोषाध्यक्ष,

''पहला कदम'', गोरखपुर

छायांकन

राजेश कुमार

छायाकार

नागरिका के सम्बन्ध में किसी प्रकार का सुझाव

nngkpnews@gmail.com

पर ई–मेल किया जा सकता है।

महन्थ योगी आदित्यनाथ जी को उत्तर प्रदेश का मुख्यमंत्री बनाये जाने पर महाराणा प्रताप इण्टर कालेज में आयोजित नागरिक अभिनन्दन समारोह में मा0 मुख्यमंत्री का स्वागत करते हुए मा0 महापौर डा0 सत्या पाण्डेय।

गोरखपुर की महानगर के गंगा जमुनी तहजीब को ध्यान में रखते हुए नगर निगम प्रागंण स्थित रानी लक्ष्मी बाई पार्क में आयोजित होली मिलन समारोज में मा0 महापौर डा0 सत्या पाण्डेय, नगर आयुक्त श्री बद्रीनाथ सिंह, मा0 पार्षदगण एवं महानगर के गणमान्य नागरिकगण।

वार्ड नं0 51 जाफरा बाजार बिन्द टोला में मस्जिद के पास मार्ड स्टैण्ड पोस्ट का लोकार्पण करते हुए मा0 महापौर डा0 सत्या पाण्डेय। मा0 महापौर जी ने अपने उद्बोधन में कहा कि शुद्ध पेयजल हर नागरिक को उपलब्ध कराना हमारी प्रथमिकता है मेरा प्रयास है कि महानगर का कोई हिस्सा शुद्ध पेयजल आपूर्ति से वचित न रहे। महानगर के समस्त वार्डो में पाइप जहॉ पाइप लाइन नही है वहॉ पाइप लाइन का विस्तार कराकर जनता को शुद्ध पेयजल की आपूर्ति सुनिश्चित कराया जायेगा।

लालडिग्गी पार्क (नेहरू पार्क) जिसका जीर्णोधार का कार्य रिलायान्स जीयो इन्फोकॉम द्वारा किया जा रहा है, का निरीक्षण मा0 महापौर डा0 सत्या पाण्डेय , मुख्य अभियन्ता, सुरेश चन्द, अवर अभियन्ता एवं रिलायन्स जीयो इन्फोकॉ के अधिकारी श्री आशीष शुक्ला के साथ निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान पाया गया कि पार्क की बाउन्ड्रीवाल क्षतिग्रस्त है तथा पार्क में जो मरम्मत कार्य अब तक किये गये है वह पूर्ण रूप से संजोषजनक नहीं है साथ ही यह भी देखा गया कि पार्क में बहुत अधिक गन्दगी है जिससे पार्क का वातावरण दूषित है ऐसी स्थिति में पार्क में आने वालों के स्वास्थ्य पर बुरा असर पड़ सकता है जिसको देखकर महापौर डा0 सत्या पाण्डेय ने काफी नाराजगी व्यक्त किया तथा जीयो इन्फोकॉम के बडे अधिकारी से दूरभाष पर बात कर उन्हे चेतावनी के रूप में 15 दिन के अन्दर समस्त कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिये।

स्थानीय जनता की शिकायत पर वार्ड नं0 12 निकट मधुर मिलन मैरेज हाऊस के कत्थक वाली गली में हॉट मिक्स प्लाट से कराये जा सड़क मरम्मत/निर्माण कार्य का निरीक्षण मा0 महापौर डा0 सत्या पाण्डेय द्वारा किया गया। निरीक्षण के दौरान पाया गया कि सड़क बनाते समय रोलर से रोलिंग ठीक तरह और कैमबरिंग का ध्यान नहीं दिया जा रहा है। महापौर ने अवर अभियन्ता श्री जयराम यादव को निर्देशित किया कि आप स्वयं अपनी देख–रेख में मानक के अनुरूप कार्य कराये। मानक से किसी भी प्रकार कोई समझौता नहीं किया जायेगा। दोषी खिलाफ कार्यवाही की जाये।

वार्ड नं0 48 गिरधरगंज स्थित यादव टोला में काली माता मन्दिर के पास मार्डन स्टैण्ड पोस्ट का लोकार्पण मा0 महापौर डा0 सत्या पाण्डेय, स्थानीय पार्षद श्री रणजंय सिंह ''जूगनू'' के साथ करते हुए। स्टैण्ड पोस्ट के लोकार्पण के उपरान्त मा0 महापौर ने अपने उद्बोधन में कहा कि मुझे कहने में कहीं भी हिचक नहीं हो रही है कि मेरे कार्यकाल में नगर निगम, गोरखपुर द्वारा महानगर के सभी वार्डो में पथ प्रकाश, सड़क निर्माण, पेयजल आपूर्ति आदि कार्य युद्ध स्तर पर कराया गया है, और कराया जा रहा है मुझे विश्वास है कि महानगर के अन्तर्गत लगभग सभी कालोनियों में 90 प्रतिशत तक विकास कार्य कराया जा चुका है शेष बचे अन्य कार्यो की निविदा जल्द ही प्रकाशित की जायेगी। आप सभी महानगरवासियों से अपील है कि जब भी नगर निगम, गोरखपुर द्वारा कोई विकास कार्य कराया जाता है तो उस पर आप अपनी पैनी नजर रखें। यदि मानक के अनुरूप कार्य नहीं किया जा रहा हो तो मुझे या नगर आयुक्त एवं सम्बन्धित अधिकारियों को अवगत कराये। गुणवत्ता में किसी भी प्रकार का कोई समझौता नहीं किया जायेगा।

महापौर डा0 सत्या पाण्डेय ने स्कूली छात्र/छात्राओं के साथ बेतियाहाता स्थित भगत सिंह जी की मूर्ति पर माल्यार्पण किया। माल्यार्पण के उपरानत उनके बलिदान को याद कर राष्ट्रगान को गाया गया तत्पश्चात् महापौर ने अपने उद्बोधन में कहा कि भारत की स्वतंत्रता में तीन ऐसे वीर सपूत हैं, जिनकी शहादत ने देश के नौजवानों में आजादी के लिए अभूतपूर्व जागृति का शंखनाद किया। देशभक्त शहीद सुखदेव, भगतसिंह और राजगुरू को अंग्रेज सरकार ने 23 मार्च को लाहौर षडयंत्र केस में फाँसी पर चढा दिया था। इन वीरों को फाँसी की सजा देकर अंग्रेज सरकार समझती थी कि भारत की जनता डर जाएगी और स्वतंत्रता की भावना को भूलकर विद्रोह नहीं करेगी। लेकिन वास्तविकता में ऐसा नही हुआ बल्की शहादत के बाद भारत की जनता पर स्वतंत्रता के लिए अपना सर्वस्व न्यौछावर करने का रंग इस तरह चढा कि भारत माता के हजारों सपूतों ने सर पर कफन बाँध कर अंग्रेजों के खिलाफ जंग छेड़ दी। ऐसे वीर सपूतो को मेरी सच्ची